

# संवाद-पत्र

वाराणसी स्मार्ट सिटी

जून, जुलाई व अगस्त, 2021 माह हेतु ई-न्यूज़लेटर, अंक-1



# अनुक्रमणिका

सीईओ की कलम से

वाराणसी स्मार्ट सिटी-अध्यात्म व आधुनिकता का समन्वय

पहल विकास की

गतिविधियां

फोटो गैलरी

बातों की बात...

01

02

03

05

10

11



# सीईओ की कलम से...

प्रिय नागरिकों,

भारत की आध्यात्मिक राजधानी कहा जाने वाला शहर वाराणसी न केवल ज्ञान और अध्यात्म का समागम है बल्कि वर्षों से इतिहास और संस्कृति को भी अपने अन्दर संकलित किए हुए है। आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार की योजना 'स्मार्ट सिटी मिशन' अंतर्गत चयनित 100 शहरों में वाराणसी का भी चयन किया गया है जो अब विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। वाराणसी स्मार्ट सिटी द्वारा क्रियावित की जा रही परियोजनाओं का उद्देश्य न केवल नगरवासियों, दर्शनार्थीयों एवं पर्यटकों की सुविधा सुनिश्चित करना है बल्कि शंभू के त्रिशूल पर विराजमान काशी की प्राचीनता और विरासत को संरक्षित करना भी है।

वाराणसी स्मार्ट सिटी अंतर्गत हम एक विस्तृत कार्य प्रणाली पर काम कर रहे हैं जिसके अंतर्गत ऐरिया ब्रेस्ट डेवलपमेंट को बढ़ावा देना, सार्वजनिक स्थलों का पुनर्निकास, शहरी क्षेत्रों में पुनरोद्धार और पुनर्निकास करना, सुगम यातायात, खुले व खाली स्थानों को चिह्नित कर उनका विकास करना, शहरी धरोहर को संरक्षित रखना आदि शामिल है।

शहर में यातायात को सुगम बनाने हेतु गोदौलिया में मल्टीलेवल पार्किंग का निर्माण पूर्ण हो गया है तथा बेनियाबाग और टाउनहोम्स में भूमिगत पार्किंग और पार्क का निर्माण कराया जा रहा है। काशी की अखंड प्राचीनता को संरक्षित करने के लिए काशी के पुराने बाड़ों का पुनर्निकास, पर्यटन सुविधा के आशय से घाटों पर हेरिटेज साइनेज की स्थापना तथा संपूर्ण शहर में सुरक्षा की दृष्टि से एडवांस सर्विलांस कैमरों की स्थापना कराई जा रही है।

इसके अतिरिक्त, स्वच्छ गंगा के लिए सीएनजी चलित नाव, उज्ज्वल भविष्य के लिए मछोदरी स्मार्ट स्कूल की स्थापना और भारत-जापान की दोस्ती का अनूठा स्तंभ, 'रुद्राक्ष अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर' का निर्माण, वाराणसी स्मार्ट सिटी द्वारा क्रियावित परियोजनाओं में शामिल है। साथ ही अन्य परियोजनाएं भी हैं जिस पर वाराणसी स्मार्ट सिटी कार्य कर रहा है।

हमारा विश्वास है कि यह ई-ब्यूजलेटर अधिक से अधिक नागरिक भागीदारी को प्रोत्साहित करेगा तथा नगरवासियों और हमारे बीच के सम्बन्ध स्तर को मजबूती प्रदान करने के लिए निश्चित रूप से एक सकारात्मक कदम सिद्ध होगा।



**प्रणय सिंह** (आईएएस)

नगर आयुक्त, वाराणसी,  
मुख्य कार्यकारी अधिकारी, वाराणसी स्मार्ट सिटी

वाराणसी स्मार्ट सिटी

## अध्यात्म व आधुनिकता का समन्वय

भारत की अखंडता व सामर्थ्य यहां की विशाल विविधता, संस्कृति और सभ्यता में निहित है। वाराणसी - दुनिया का सबसे प्राचीन सभ्यता वाला शहर है जो अपने मंदिरों और घाटों से अपनी भव्यता का परिचय देता है। वाराणसी, प्राचीन गुबदों, आश्रमों, पुजारियों और संकरी गलियों में बनारसी साड़ियों से भरी दुकानों का एक समागम है जो आकर्षक व आध्यात्मिक स्थान का प्रतिनिधित्व करता है। शहर के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व को बनाए रखने के दृढ़ विश्वास के साथ स्मार्ट सिटी मिशन के तहत एक विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) के रूप में आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के अनुपालन में वाराणसी स्मार्ट सिटी लिमिटेड (वीएससीएल) का गठन किया गया है।

गठन के बाद से ही वाराणसी स्मार्ट सिटी ने स्वच्छता, विद्युत, यातायात प्रबंधन, शहरी कायाकल्प और नागरिक-अनुकूल शासन से संबंधित कई योजनाओं का प्रभावी क्रियाव्ययन सुनिश्चित किया है साथ ही समग्र प्रशासनिक दक्षता में सुधार और सार्वजनिक सुविधाओं तक लोगों की आसान पहुंच सुनिश्चित की है। वाराणसी स्मार्ट सिटी लिमिटेड ऐसी विकासशील परियोजनाओं को बढ़ावा देता है जो नागरिकों के सामाजिक उत्थान के अनुकूल हों, शहर के बुनियादी ढांचे और जीवन की गुणवत्ता को उन्नत करती हों तथा जिससे वाराणसी की मूल संस्कृति को बढ़ावा मिले।



# पहल विकास की...

वाराणसी स्मार्ट सिटी अंतर्गत क्रियान्वित हो रही परियोजनाएँ :-



## सुरम्य काशी

- कुंड तथा ओवरहेड टैक का सौंदर्यांकरण और फ्लाईओवर के नीचे अर्बन प्लैसमेन्टिंग
- ऑडियो-विजुअल आई टी सल्यूशन के माध्यम से श्री काशी विश्वनाथ मंदिर एवं गंगा आरती का सांस्कृतिक उत्थान

## निर्मल काशी

- ढीज़ल नावों का सीएनजी नावों में परिवर्तन
- बायोगैस प्लांट की स्थापना
- सैलिंड वेस्ट मैनेजमेंट
- तालाबों और कुंडों का पुनरोद्धार
- घाटों का पुनरोद्धार और फसाड रिस्टोरेशन

## सुरक्षित काशी

- काशी इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर की स्थापना
- एडवांस सिटी सर्विलांस
- आपातकालीन सेवाएं

# पहल विकास की...

वाराणसी स्मार्ट सिटी अंतर्गत क्रियान्वित हो रही परियोजनाएँ :-



## एकीकृत काशी

- काशी के पुराने बाड़ों का पुनर्विकास
- पाकों का पुनर्विकास
- खिड़किया घाट का पुनर्विकास

## समुन्नत काशी

- लद्दाक्ष अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एवं सम्मेलन केंद्र
- स्मार्ट स्कूल-मच्छोदरी, राजघाट और अन्य स्कूल
- दशाश्वमेध घाट पर पर्यटक सुविधाओं एवं बाजार परिसर का विकास

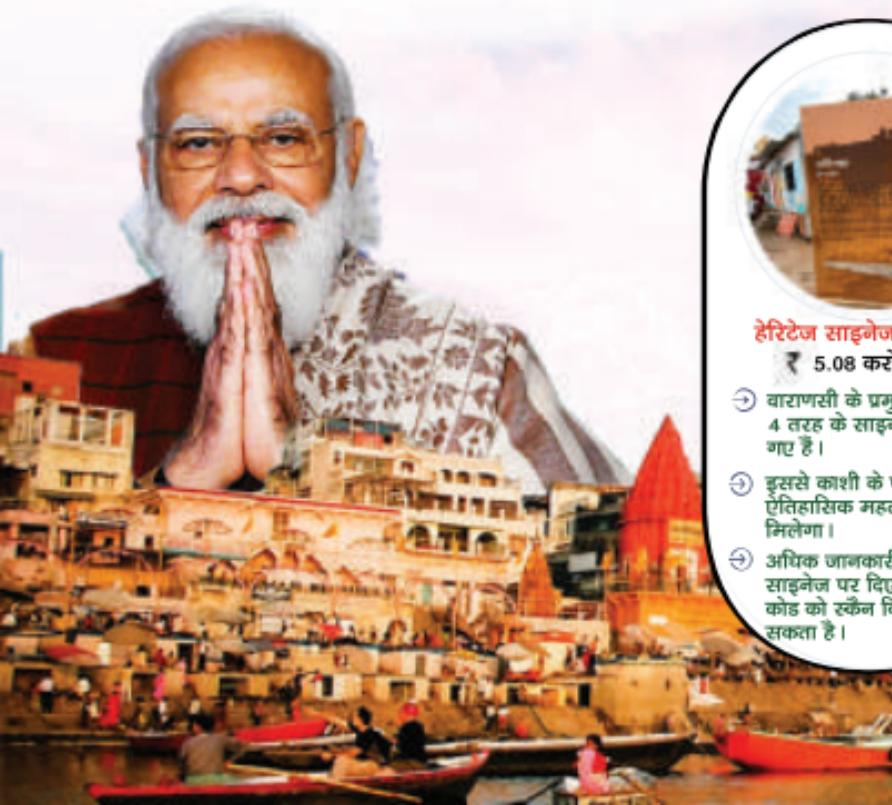
## संयोजित काशी

- गोदौलिया मल्टीलेवल पार्किंग
- टाउन हॉल पार्क एवं भूमिगत पार्किंग
- बेनियाबाग पार्क एवं भूमिगत पार्किंग
- गोदौलिया-मैदागिन एबीडी रोड
- ई-बस चार्जिंग स्टेशन

## अन्य पहल

- इंडिया साइकिल फॉर चेज चैलेंज
- ट्रांसपोर्ट फॉर ऑल
- द अर्बन लर्निंग हंटर्नीशिप प्रोग्राम (ट्यूलिप)
- आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा फैलोशिप प्रोग्राम

## माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी द्वारा परियोजनाओं का लोकार्पण





**हेरिटेज साइनेज एट घाट**  
₹ 5.08 करोड़

- ⑤ वाराणसी के प्रमुख घाटों पर 4 तरह के साइनेज लगाए जाए हैं।
- ⑥ झुससे काशी के पौराणिक व ऐतिहासिक महत्व को बढ़ावा दिलेगा।
- ⑦ आर्थिक जागरूकारी के लिए साइनेज पर दिए गए क्यूआर कोड को रक्केन किया जा सकता है।



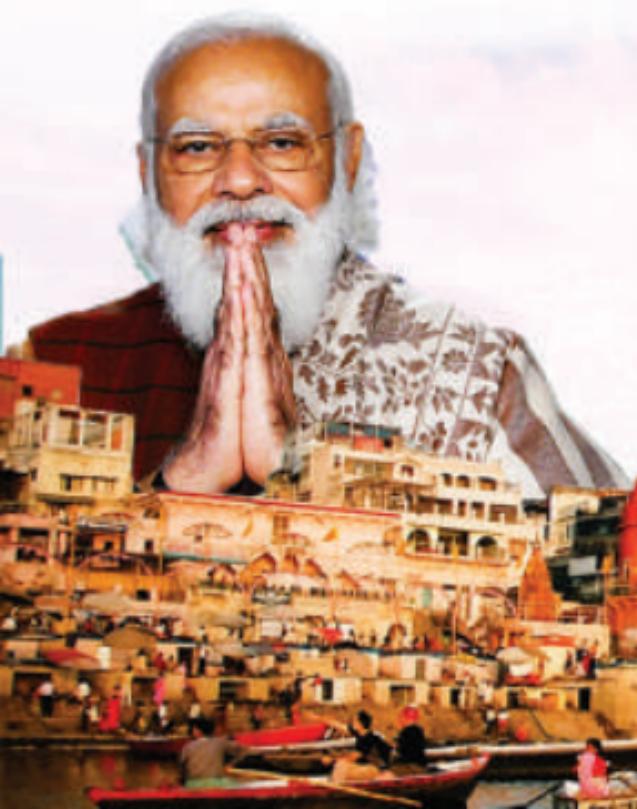
**मच्छोदरी स्मार्ट स्कूल एवं कौशल विकास केंद्र**  
₹ 14.21 करोड़

- ⑧ परिसर का कुल क्षेत्रफल: 4600 वर्ग मीटर।
- ⑨ स्कूल का क्षेत्रफल: 1400 वर्ग मीटर।
- ⑩ सुविधाएं:
  1. स्मार्ट वलास रूम
  2. खेल का मैदान
  3. पुस्तकालय
  4. बहुउद्दीश्य हॉल
  5. रिपर्टर
  6. डास, आर्ट व कंप्यूटर प्रशिक्षण की सुविधाएं
  7. वर्षा जल संचयन प्रणाली
  8. दिव्यांगजन अनुकूल शीचालय
- ⑪ आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग को लाभ होगा।



**7 पार्कों का सौंदर्योक्तरण**  
₹ 4.45 करोड़

- ⑫ सुविधाएं:
  1. ओपेन जिम
  2. किंवृत्स प्ले एरिया
  3. लैंडस्केपिंग
  4. पर्सोनल और बैंचेस (Benches)
- ⑬ पार्कों के सौंदर्योक्तरण से काशीवासियों की जीवन शैली स्वस्थ व बेहतर होगी।





**गोदौलिया महाद्वीपोवल दो पाठ्या पार्किंग**

- ₹ 21.17 करोड़
- ④ कुल क्षमता: 375 दो पहिया वाहन
- ④ भूतल पर दुकानें, पुलिस बूथ आदि
- ④ सुगम यातायात



**रुद्राक्ष अंतर्राष्ट्रीय सहायोग एवं सम्मेलन केंद्र**

- ₹ 186 करोड़
- ④ एक अत्याधुनिक सम्मेलन केंद्र
- ④ मुख्य हॉल में करीब 1200 लोगों के बैठने की क्षमता
- ④ हैंटीगेटेड विलिंग मैनेजमेंट सिस्टम
- ④ बेसमेंट पार्किंग
- ④ जापानी सहायता व तकनीक से निर्मित
- ④ बड़े सम्मेलनों, संगोष्ठियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए एक आकर्षक गंतव्य



**ओडियो-विजुअल आई दी सत्यशान के माध्यम से श्री काशी विश्वनाथ मंदिर एवं गंगा आरती का सारकृतिक उत्थान ₹ 8.85 करोड़**

- ④ 6 स्थानों पर एलईडी स्क्रीन लगाई गई हैं
- ④ एलईडी के माध्यम से श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के अनुच्छान व गंगा आरती का लाइव प्रसारण किया जा रहा है
- ④ आधुनिक साउंड सिस्टम से लैस स्क्रीन पर अन्य जरूरी सूचनाएँ भी प्रसारित हो रही हैं

# गतिविधियां



|              |             |
|--------------|-------------|
| Total Tweets | Reach       |
| 31.8K        | 17M         |
| Engagement   | Impressions |
| 43K          | 361K        |

माननीय प्रधानमंत्री के वाराणसी आगमन पर  
15 जुलाई 2021 को टिक्टॉक पर ट्रेंड हुए हैशटैग की एनालिटिक्स  
**#PMInKashi      Trended at No. 2**

Search Twitter

For you COVID-19 **Trending** News Sports Entertainment

India trends

#PMInKashi

25.3K Tweets



गतिविधियां

‘स्मार्ट सिटी प्रतियोगिता 2020’ में वाराणसी को तीन पुरस्कार मिले हैं, जो काशी के सभी निवासियों के लिए गर्व का क्षण है:-



**कोविड-19 की रोकथाम हेतु स्कॉच  
गोल्ड अवॉर्ड**

ISAC Award

कोविड इनोवेशन अर्वोर्ड में प्रथम स्थान

### ISAC Award

असि नदी के पुनरोद्धार हेतु जल परियोजना अवॉर्ड में प्रथम स्थान

## ISAC Award

स्मार्ट सिटीज लीडरशिप अवॉर्ड में दसरा स्थान

## समाचारों में...



स्मार्ट कारी देश दुनिया के  
लिए बनी मॉडल : सीएम

अपनी गुणवत्ता के लिए वह एक अद्भुत विकास है। इसके द्वारा आप अपनी जीवन की संरचना को बदल सकते हैं।

अक्षयूदय में टाउनहाल, नवंबर में  
येनियादाग पार्किंग होगी तैयार

the first time in history that the world's population has reached 7 billion people. The UN says that the world's population will grow to 9.3 billion by 2050. This is a massive increase in a short space of time. It is important to consider how we can manage this growth in a sustainable way. One way to do this is through the use of renewable energy sources such as wind and solar power. This will help to reduce our dependence on fossil fuels and lessen the impact of climate change. Another way to manage population growth is through education and family planning programs. These programs can help to reduce the birth rate and improve the quality of life for individuals and families. It is also important to consider the impact of population growth on the environment. As the world's population grows, so does the demand for resources. This can lead to overexploitation of natural resources and environmental degradation. It is essential that we take steps to address these issues now before it is too late.

**कान्वेंट छोड़ इस सरकारी स्कूल में आ रहे बच्चे**

प्राकृतिक संरक्षण के लिए बड़ी विश्व विरोधी दलों का विरोध में विभिन्न समर्पण तथा लड़ाई।

higher protein values for the measured day, than the first day when the diet was lower.

A photograph showing a row of red shipping containers stacked in a shipping yard. The containers are arranged in two rows, with some stacked on top of others. They are made of a sturdy material and have a bright red color.

**2010** **2011** **2012**  
2010-11 2011-12 2012-13  
2010-11 2011-12 2012-13  
2010-11 2011-12 2012-13

**But** given  
the way  
we are  
conducting  
politics in  
this country, I  
wouldn't

**प्राचीन विद्या की विशेषताएँ**

कोविड की सोकथान में बनाटसा बना देश ने सबसे स्मार्ट शहर

[View Details](#)

A painting of a still life arrangement featuring a red vase, a yellow jar, and a green bottle.

स्मार्ट सिटी के बेहतर काम और  
मनिटरिंग के लिए निवा प्रसक्ति

## लीडरशिप अवॉर्ड-2020 में बनारस को दूसरी ईक

www.fish.com

- नवीन विद्या 2020 में  
उत्तराखण्ड की राजनीति
  - दृष्टि व धृति की विद्या का  
संकलन से नवीन विद्या का अभियान

# कोविड-19 और वाराणसी

कोविड-19 महामारी के प्रकोप और केंद्र सरकार द्वारा देशब्यापी लॉकडाउन लगाने के पश्चात, वाराणसी स्मार्ट सिटी ने काशी हृषीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर की स्थापना की जिसने काशी के लोगों के लिए एक एकीकृत वॉर रूम के रूप में प्रभावी ढंग से काम किया। शहर के प्रमुख स्तंभों की हकाइयों जैसे स्वारक्ष्य विभाग, नगर निगम, जिला प्रशासन, खाद्य आपूर्ति, पुलिस बल, टेलीमेडिसिन आदि को एक छत के नीचे स्थापित किया गया जिससे नागरिकों से संपर्क साधा जा सके तथा उनकी सुविधा के लिए काम किया जा सके और प्रत्येक वाराणसी के नागरिकों को सुरक्षित होने का विश्वास दिलाया जा सके।

जियोग्राफिक इंफॉर्मेशन सिस्टम (जीआईएस) जैसी तकनीक का उपयोग लॉकडाउन के दौरान किराना, फल व सब्जी विक्रेताओं, मेडिकल स्टोर और अन्य आवश्यकताओं की मैपिंग के लिए किया गया।

एकीकृत वॉर रूम ने एक महीने में 9000+ शिकायतों का निर्तारण कर प्रौद्योगिकी और विश्लेषण के एक मजबूत समागम का उदाहरण पेश किया जो एक मील का पत्थर साबित हुआ।

इन सभी उपलब्धियों को बोस्टन कंसल्टेंट ग्रुप जैसे कई प्रतिष्ठित प्लेटफार्मों पर मान्यता भी प्राप्त हुई तथा सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त वाराणसी स्मार्ट सिटी को कोविड-19 प्रबंधन में SKOCH Gold Award तथा स्मार्ट सिटी मिशन द्वारा COVID Innovation Award से भी सम्मानित किया गया।

## साझेदारी



IIT-BHU



# फोटो गैलरी



मात्रा कल्याण सेटिंग, वाराणसी के उद्घाटन के दौरान  
मात्रा प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी।



मात्रा प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी इमार्ट सिटी अंतर्गत  
विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकपाल किया।



वाराणसी इमार्ट सिटी डाटा हैटिंग साइनेज एवं घाट परियोजना अंतर्गत  
लगाए गए स्कल्पर घाट साइनेज।



मात्रा प्रधानमंत्री श्री आदित्यनाथ जी डाटा  
शोदौलिया मल्टीलेवल पार्किंग का निरीक्षण।



वाराणसी इमार्ट सिटी डाटा कार्शी के बांडे  
वा पुनर्विकास और सौदर्यकार्यक्रम कटावा जा रहा है।



मात्रा प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी डाटा वाराणसी को निरी  
“अच्छेदरी इमार्ट व्हॉल एवं लैंगरल गिरजास केंद्र” की सौनात।



07 पार्कों के सौदर्यकार्यक्रम से वारीबाटियों वाले जिलोंगी  
स्वस्य और वैहत जीवनशीलता।



काढ़ी और छिक्किया घाट होणा पर्देटन का नवा लेंदा।  
वाराणसी इमार्ट सिटी डाटा कराया जा रहा है पुनर्विकास।



वाराणसी इमार्ट सिटी डाटा दैवियादाग दोत्र में इमार्ट पार्क एवं  
भूमिगत पार्किंग का निर्माण कराया जा रहा है।



वाराणसी इमार्ट सिटी डाटा दातव हॉल पार्क एवं भूमिगत  
पार्किंग का निर्माण कराया जा रहा है।

## बातों की बात...

अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए वाराणसी स्मार्ट सिटी हर संभव प्रयास कर रहा है जिससे हमारे कार्यों को योजनाबद्ध व प्रभावी तरीके से पूरा किया जा सके। इसके अतिरिक्त 'क्षेत्र आधारित विकास' पर केंद्रित होने के साथ एक व्यापक रणनीति पर कार्य किया जा रहा है जिसमें सार्वजनिक उपयोगिताओं के स्थानों का पुनर्विकास, कायाकल्प व सौंदर्यांकरण शामिल है तथा 'पैन-सिटी सॉल्यूशन' के दृष्टिकोण से भी कार्य किए जा रहे हैं जिसके तहत पूरे शहर में आईटी सॉल्यूशन, शहरी यातायात प्रबंधन और आवागमन को समाहित किया गया है। 'स्मार्ट वाराणसी' के सपने को साकार करने के लिए विभिन्न परियोजनाओं को पूरा करने की प्रक्रिया चल रही है।

नगरवासियों द्वारा दिखाए गए सहयोग व उत्साह से इन परियोजनाओं के निष्पादन की दिशा में काम कर रही टीम को प्रोत्साहन मिल रहा है। एक साथ काम करते हुए, नागरिक, अधिकारी व अन्य सभी हितधारक निश्चित रूप से विश्व पटल पर वाराणसी को एक स्मार्ट तथा स्थिर शहर बनाएंगे तथा काशी को "सांस्कृतिक और विरासत का केंद्र" की गौरवपूर्ण पहचान दिलाएंगे।

